मलिक की कहानी

A história de Malik

LIDA Italia

Vilius Aistis Vilimas

Pratibha Singh

4

हिन्दी hi / português pt

मेरा नाम मलिक है और मेरी उम्र 39 साल है। मेरा जन्म अफ़ग़ानिस्तान में हुआ था। मेरा धर्म अफ़ग़ानिस्तान के मुख्य धर्म से अलग है।

. . .

O meu nome é Malik e tenho 39 anos. Nasci no Afeganistão. A minha religião é diferente da religião principal do Afeganistão.

कई सालों से मेरे धर्म के लोगों को सताया जा रहा है। यह मेरे परिवार के लिए बहुत मुश्किलों भरा दौर रहा है।

• • •

Desde há muitos anos que as pessoas que pertencem à minha religião têm sido perseguidas. Isso tem sido muito difícil para a minha família.

कुछ साल पहले एक युद्ध हुआ था। मुझे डर था कि मुझे मार दिया जाएगा। मैंने यूरोप जाने और एक नया जीवन शुरू करने के लिए अपना परिवार छोड़ दिया।

. . .

Há alguns anos, houve uma guerra. Tive medo de ser morto. Deixei a minha família para ir para a Europa e começar uma nova vida.

मैं कई किलोमीटर चला। कभी-कभी मेरे पास खाना नहीं होता था और रहने के लिए कोई जगह नहीं होती थी। जिन लोगों के साथ मैंने यात्रा की उनमें से कुछ की मृत्यु हो गई।

• • •

Caminhei durante muitos quilómetros. Por vezes, não tinha comida e não tinha onde ficar. Algumas das pessoas com quem viajei morreram.

आखिरकार मैं पहुँच ही गया। वहाँ मैं अपने देश के कुछ लोगों से मिला, जिन्होंने मेरी मदद की। मुझे नहीं पता कि उनके बिना मेरा क्या होता।

• • •

Finalmente, cheguei. Conheci algumas pessoas do meu próprio país que me ajudaram. Não sei o que teria feito sem elas.

मैंने उनकी भाषा सीखनी शुरू की, लेकिन यह बहुत मुश्किल था। मैं जानता था कि नौकरी पाने के लिए उनकी भाषा बोलना बहुत ज़रूरी था।

. . .

Comecei a aprender a língua, mas foi difícil. Eu sabia que falar a língua era importante para conseguir um emprego.

मैंने पहली बार भाषा सीखने के लिए कई वर्षों तक अध्ययन किया। यह मश्कुल था, लेकिन मुझे नई चीज़ें सीखने में मज़ा आता है।

. . .

Estudei durante vários anos para aprender a língua. Foi difícil, mas eu gosto de aprender coisas novas.

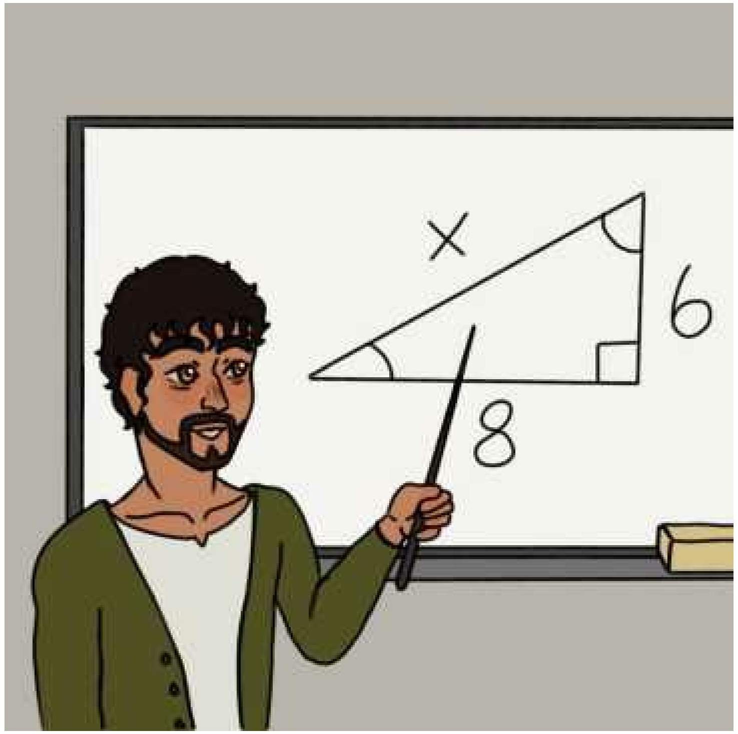

पढ़ाई के बाद मैंने काम करना शुरू किया। पहले मैंने एक रेस्तराँ में काम किया, और फिर मैं एक शिक्षक बन गया क्योंकि मैं दूसरों की मदद करना चाहता हूँ।

• • •

Depois de estudar, comecei a trabalhar. Primeiro trabalhei num restaurante, e depois tornei-me professor porque quero ajudar outras pessoas.

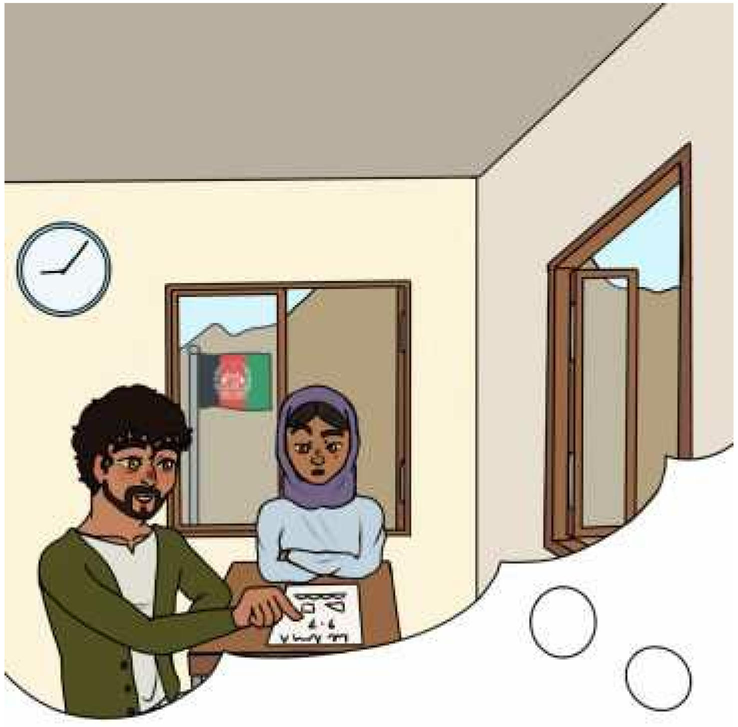

मैं एक दिन अफ़ग़ानिस्तान वापस जाने की उम्मीद करता हूँ। वहाँ कई लोगों को मदद की ज़रूरत है और मैं उनकी मदद करना चाहता हूँ।

• • •

Espero voltar um dia ao Afeganistão. Muitas pessoas precisam de ajuda lá e eu quero ajudá-las.

LIDA Stories

lidastories.net

मलिक की कहानी

A história de Malik

LIDA Italia
Vilius Aistis Vilimas
Pratibha Singh (hi), Ana Costa (pt)